अमरनाथ तीर्थयात्रा

*146. श्री अबू आसिम आज़मी: क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अमरनाथ की तीर्थयात्रा के लिए भारत के विभिन्न भागों से कितने तीर्थ यात्रियों ने पंजीकरण कराया तथा कितने तीर्थयात्री अमरनाथ के दर्शन कर सके;

(ख) भारत सरकार द्वारा उनकी तीर्थयात्रा के दौरान उनकी सुरक्षा और खानपान की सुविधा के लिए क्या व्यवस्था की गई है;

(ग) सरकार द्वारा कितनी राशि खर्च की गई; और

(घ) क्या अमरनाथ तीर्थयात्रियों की संख्या गत वर्ष की तुलना में कम थी?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ईश्वर दयाल स्वामी): (क) से (घ) एक विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

Amarnath pilgrime

†*146. SHRI ABU ASIM AZMI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of pilgrims from various parts of the country who registered themselves for the Amarnath pilgrimage as also the number of persons out of them who could have darshan of Amarnath;

(b) what arrangements Government of India have made for their security and in regard to catering facilities for the pilgrims during their pilgrimage;

(c) the amount of money incurred by the Government; and

(d) whether number of Amarnath pilgrims this year was less as compared to that of last year?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI I.D. SWAMI): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

---

†Original notice of the question was received in Hindi.

Statement

(a) The State Government of J&K have informed that a total of 1,11,932 Yatris have registered for Amarnath Yatra this year. However, the number of persons who could have Darshan would depend on various factors like weather/climatic conditions, security threat, etc.

(b) It is the responsibility of the State Government of J&K to provide security and make all other arrangements for the Amarnath Yatra. Central Police Forces are deployed in J&K as an aid to the State Government, keeping in view the overall security scenario and availability of these Forces. Like every year, additional forces have been provided to the Government of J&K to make security arrangements for the Amarnath Yatra 2003.

The State Government have informed that elaborate security arrangements have been made for Amarnath Yatra at the base camp, along the track as well as at the Holy Cave. As regards catering facilities, the State Government has issued necessary licenses for operating lungars at different places along the track.

(c) The expenditure on the Amarnath Yatra is borne by the State Government of J&K. However, Government of India is only assisting the State Government of J&K through deployment of additional Security Forces. The State Government has constituted an Amarnath Yatra Shrine Board for the smooth conduct of the Yatra.

(d) The number of Yatris registered this year is slightly higher than the actual visited during Amarnath Yatra 2002, which was 1,10,793.

شری ابو عاصم اعظمی : سبھاپتی مہودے، منتری جی نے اپنے جواب میں تیرتھ یاتریوں کی سرکشا، یدھا کی ساری ذمہ داری راجیہ سرکار کے اوپر ڈالتے ہیں ڈال دی ہے۔ میرا سرکار سے یہ سوال ہے کہ کیا سرکار نے ورتمان میں آتنک وادیوں کے ارادوں کو دیکھتے ہوئے اور پچھلے سالوں میں ہوئی گھٹناؤں، ورگھٹناؤں کے تعلق سے یاتریوں کی سرکشا اور یدھا کا کوئی انتظام کرنے کا پلان یا پروپوزل ہے؟ اگر ہاں، تو اس کا بیورا کیا ہے؟

†Transliteration of Urdu Speech.

†**श्री अबू आसिम आज़मी:** सभापति महोदय, मंत्री जी ने अपने उत्तर में तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा की सारी जिम्मेदारी राज्य सरकार के खाते में डाल दी है। मेरा सरकार से यह प्रश्न है कि क्या सरकार ने वर्तमान में आतंकवादियों के इरादों को देखते हुए और पिछले वर्षों में हुई घटनाओं, दुर्घटनाओं के ताल्लुक से यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा का कोई इंतजाम करने का प्लान या योजना बनाई है? यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

श्री ईश्वर दयाल स्वामी: सभापति जी, ऑनरेबिल मैम्बर का यह इम्प्रेशन कि हमने सारी जिम्मेवारी स्टेट गवर्नमेंट पर छोड़ दी है, ऐसा नहीं है। ठीक है, वहां जम्मू-कश्मीर गवर्नमेंट की प्राइमरी रेस्पोन्सिबिलिटी है यात्रा का प्रबंध करना और वह करती है भी लेकिन, उसके साथ साथ जितनी जिम्मेवारी हमारी है, जो स्टेट को मदद चाहिए होती है पैरा मिलिटरी फोर्सेस की, सिक्योरिटी फोर्सेस की, वह सब पूरी तरह से हमारे द्वारा उन्हें दी गई है और यही कारण है इस दफा वहां पिछले साल जो एक लाख दस हजार यात्री टोटल आए थे, वहीं अभी तक एक लाख अठाइस हजार यात्री दर्शन कर चुके हैं और luckily and by the grace of Almighty and the efforts of our security forces कोई untoward incident अभी तक नहीं हुआ है। हमने पूरी बटालियन्स आर्मी की और एरिया डोमिनेशन ट्रेक पर सीआरपीएफ और उसके बाहर भी बीएसएफ, सीआरपीएफ और लोकल पुलिस लगाई हुई है। सेंट्रल गवर्नमेंट ने वहां पूरी तरह से इंतजाम किए हुए हैं।

شری ابو عاصم اعظمی : سبھاپتی مہودے، آنریبل ممبر نے اپنے جواب میں تیرتھ یاتریوں کی سرکشا، سُویدھا کی ساری ذمہ داری راجیہ سرکار کے کھاتے میں ڈال دی ہے۔ میرا سرکار سے یہ سوال ہے کہ کیا سرکار نے ورتمان میں آتنک وادیوں کے ارادوں کو دیکھتے ہوئے اور پچھلے سالوں میں ہوئی گھٹناؤں، دُرگھٹناؤں کے تعلق سے یاتریوں کی سُرکشا اور سُویدھا کا کوئی انتظام کرنے کا پلان یا یوجنا بنائی ہے؟ اگر ہاں، تو اس کا بیورا کیا ہے؟

†**श्री अबू आसिम आज़मी:** सभापति जी, मेरा दूसरा सप्लीमेंटरी क्वैश्चन यह है कि क्या तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा हेतु गठित धर्म स्थल बोर्ड में केन्द्र सरकार का कोई नुमाइंदा रहता है या नहीं रहता? चूंकि सारे भारतवर्ष से वहां तीर्थ यात्री पहुंचते हैं तो क्या केन्द्र सरकार की नजर में वर्तमान आतंकवादियों की हरकतों के चलते हुए राज्य सरकार के ऊपर जिम्मेवारी छोड़ देना उचित रहेगा?

---

†Transliteration of Urdu Speech.

श्री ईश्वर दयाल स्वामी: सभापति जी, जहां तक सिक्योरिटी की जिम्मेवारी है, वह श्राइन बोर्ड में नही आती है, लेकिन श्राइन बोर्ड पैसों से उनकी मेडीकल और दूसरी सुविधाओं को जुटाने के लिए मदद करता है और स्टेट गवर्नमेंट भी उसमें साथ देती है। सिक्योरिटी की टेटल जिम्मेवारी हम अपने ऊपर लेते हैं, of course, in concert with the State Government Police, उनके साथ मिलकर सिक्योरिटी की सारी जिम्मेवारी सेंट्रल गवर्नमेंट अपने ऊपर लेती है। श्राइन बोर्ड में हमारा नुमाइंदा है या नहीं, मुझे इस वक्त तो मालूम नहीं, लेकिन मैं पूरा पता करके आपको भिजवा दूंगा कि श्राइन बोर्ड में हमारा सेंट्रल गवर्नमेंट का नुमाइंदा है या नहीं। वैसे उससे फर्क पड़ने वाला इसलिए नहीं है कि श्राइन बोर्ड की जिम्मेवारी सिक्योरिटी की नहीं है, यह सिक्योरिटी की जिम्मेवारी वहां की पुलिस की, वहां की जम्मू-कश्मीर गवर्नमेंट की और हमारी है।

SHRIMATI S.G. INDIRA: Sir, I would like to know from the hon. Minister whether the Central Government is having any proposal to give subsidy to the Amarnath pilgrims on the lines of Haj pilgrims.

SHRI I.D. SWAMI: Sir, there is no such proposal, at present, before the Government.

श्री संजय निरूपम: सभापति महोदय, अनुमति देने के लिए धन्यवाद। अमरनाथ यात्रा अपने आप में बड़ी दुर्गम और कठिन यात्रा है। वहां के जो हिली ऐरियाज़ हैं ...(व्यवधान)

श्री सभापति: यह सबको मालूम है। वहां जाने वालों को मालूम है।

श्री संजय निरूपम: इसीलिए वहां सुरक्षा का संकट है। वहां के यात्रियों की सुरक्षा के लिए गवर्नमेंट को जो विशेष इंतजाम करने पड़ते हैं, वह दुर्गम रास्ते की वजह से ही करने पड़ते हैं। राज्य सरकार ने संभवत: ऐसा कोई प्लान बनाया हुआ है कि अमरनाथ तक पहुंचने के लिए अच्छी सड़कें हों, सड़कों की अच्छी व्यवस्था हो, ट्रांसपोर्टेशन का इंतजाम हो। अब घोड़े और गधे पर बैठकर जाना पड़ता है और सफर सचमुच असुरक्षित रहता है। इसलिए अमरनाथ यात्रा के विकास के लिए ...(व्यवधान)

श्री सभापति: अभी गधे पर चढ़कर कोई नहीं गया है ...(व्यवधान)...

कुमारी मैबल रिबैलो: आप इनको इतना elaborate करने दे रहे हैं ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बैठ जाइए, बीच में डिस्टर्ब मत कीजिए ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरूपम: अमरनाथ यात्रा को और भी सुगम, सरल, सहज और आसान बनाने के लिए क्या राज्य सरकार ने कोई ऐक्शन प्लान बनाया है और क्या उसकी जानकारी केन्द्र सरकार के पास है?

श्री ईश्वर दयाल स्वामी: यह राज्य सरकार का सब्जैक्ट है, उन्हीं का ज्यूरिस्डिक्शन है, हम उनसे पूछ लेंगे और उन तक आपका सुझाव भी पहुंचाने का प्रयास करेंगे।